



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीनक जागरण	8.11.25	3	7-8

हकूवि में 'वंदे मातरम्' के तहत कार्यक्रम आयोजित

हिसार • विज्ञप्ति: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'वंदे मातरम्' राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में सभी महाविद्यालयों में 'वंदे मातरम्' के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'वंदे मातरम्' गीत हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत, एकता और देश के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है। यह गीत हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पञ्जाब केसरी	8-11-25	2	5

हकूवि में 'वंदे मातरम्' के तहत कार्यक्रम आयोजित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'वंदे मातरम्' राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में सभी महाविद्यालयों में 'वंदे मातरम्' के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए। कुलपति ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत, एकता और देश के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

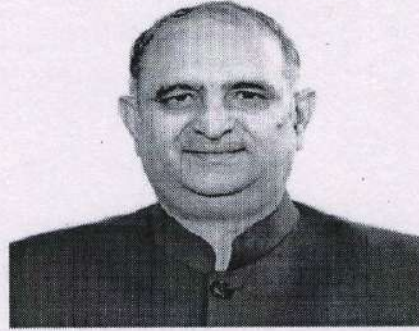
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	7.11.2025		

हकृवि में 'वंदे मातरम्' के तहत कार्यक्रम आयोजित

'वंदे मातरम्' का हर शब्द हमें भारत माता के प्रति श्रद्धा, प्रेम और समर्पण की प्रेरणा देता है : प्रो. बी. के. काम्बोज

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 7 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'वंदे मातरम्' राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में सभी महाविद्यालयों में 'वंदे मातरम्' के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'वंदे मातरम्' गीत हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत, एकता और देश के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है। यह गीत हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है। यह हमें सिखाता है कि देशभक्ति केवल नारों में नहीं बल्कि देश के लिए किए गए कार्यों और बलिदानों में निहित है। 'वंदे मातरम्' का प्रभाव साहित्य, संगीत के अलावा कला में भी है। यह गीत आज भी शिक्षण संस्थाओं, सांस्कृतिक समारोहों और राष्ट्रीय आयोजनों में गाया जाता है, जो इसकी अमरता का प्रमाण है। बकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इस गीत के माध्यम से भारत माता की छवि को ऐसे उकेरा कि यह प्रत्येक भारतीय के हृदय में बस गया। वंदे



मातरम् भारतीयता का प्रतीकात्मक संवाद है। यह केवल एक गीत नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और स्वाधीनता की भावना का जीवंत प्रतीक है। यह गीत भारत माता को मां के रूप में चित्रित करता है, जो अपनी संतानों को प्रेम, शक्ति व बलिदान की प्रेरणा देती है। यह गीत हमें सिखाता है की स्वतंत्रता केवल एक राजनीतिक अवस्था नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और आध्यात्मिक बंधन है जो हमें अपनी मातृभूमि से जोड़ता है। यह गीत 1875 में लिखा गया। इस गीत की भाषा में संस्कृत की शास्त्रीयता और बंगला की मधुरता का अनूठा संगम है। 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया जिसने लाखों भारतीयों को एकजुट किया। 'वंदे मातरम्' का हर शब्द हमें भारत माता के प्रति श्रद्धा, प्रेम और समर्पण की प्रेरणा देता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	8.11.2025		

हकृवि में वंदे मातरम् के तहत कार्यक्रम का आयोजन

नभ-छोर न्यूज ►► 07 नवंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वंदे मातरम् राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में सभी महाविद्यालयों में वंदे मातरम् के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए। वंदे मातरम् गीत हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत, एकता और देश के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है। यह गीत हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है। यह हमें सिखाता है कि देशभक्ति केवल नारों में नहीं बल्कि देश के लिए किए गए कार्यों और बलिदानों में निहित है। ह्यवंदे मातरम् का प्रभाव साहित्य, संगीत के अलावा कला में भी है। यह गीत आज भी शिक्षण संस्थाओं, सांस्कृतिक समारोहों और राष्ट्रीय आयोजनों में गाया जाता है, जो इसकी अमरता का प्रमाण है।